Sixteenth Loksabha

an>

Title: The Minister of Road Transport and Highway; Minister of Shipping; and Minister of Water Resources, River Development and Ganga Reguvenation made a statement regarding Methanol.

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, पोत परिवहन मंत्री तथा जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्री (श्री नितिन गडकरी) : माननीय अध्यक्ष महोदया, मेरे ऐजेंडा में जो निवेदन है, वह मैं सदन के सामने रखना चाहता हूँ। महोदया, हमारे देश में, हमारे देश की सबसे बड़ी समस्या है कि करीब छह लाख करोड़ रूपये का हम लोग क्रूड ऑयल आयात करते हैं। हम विश्व में छठे बड़े उपभोक्ता हैं। वर्तमान में प्रतिवऐान 2900 करोड़ लीटर पैट्रोल और 9000 करोड़ लीटर डीज़ल की आवश्यकता है। यह खपत वऐान 2030 तक दुगुना हो जाएगी और भारत विश्व में तीसरा बड़ा उपभोक्ता बन जाएगा, पर इसके कारण हमारे देश की आर्थिक व्यवस्था के सामने भी बड़ा संकट खड़ा हो जाएगा। इस क्रूड ऑयल के लिए हमारा आयात बिल काफी ज्यादा है।

इसके साथ-साथ हाइड्रोकार्बन ईंधन ने ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन (जीएचजी) सहित पर्यावरण को भी विपरीत रूप से प्रभावित किया है। भारत विश्व में तीसरा बड़ा कार्बन डाई आक्साइड उत्सर्जक देश है। दिल्ली जैसे शहरों में लगभग 30 परसेंट प्रदूऐाण ऑटोमोबाइल से है। सड़कों पर ऑटोमोबाइलों की बढ़ती संख्या प्रदूऐाण को और बढ़ा रही है। अब सरकार के लिए देश में शहरी प्रदूऐाण को कम करने के लिए विस्तृत योजना प्रस्तुत करने का समय आ गया है।

माननीय प्रधान मंत्री जी ने हमारे देश के लिए वऐान 2022 तक आयात को 10 पर्सेंट तक कम करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। कच्चा तेल आयात हमारी विदेशी मुद्रा को कम कर रहा है और विश्व के साथ हमारी लेन-देन की शक्ति को भी कम कर रहा है। हमें "वैश्विक संदर्भ का भारतीय ईंधन" बनाने की आवश्यकता है।

भारत का लक्ष्य वऐान 2021 तक कम से कम पाँच मिलियन टन का मेथेनॉल का उत्पादन करना है। मेथेनॉल कोयले से तैयार होता है और कोयला हमारे देश में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

माननीय अध्यक्ष : आप चाहें तो इसको ले भी कर सकते हैं। पढ़ना चाहें तो पढ़ सकते हैं।

श्री नितिन गडकरी : महोदया, यह जानकारी के लिए थोड़ा महत्वपूर्ण है। सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम जैसे बीचईएल, सीआईएल और एसीआईएल कोयले के माध्यम से और सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम स्टैंडर्ड गैस के माध्यम से मेथेनॉल का उत्पादन करने पर विचार कर रहे हैं। वर्तमान में मेथेनॉल ईंधन ही पेट्रोलियम पदार्थ का विकल्प है, जो कोयले से तैयार होता है। यह परिवहन, रेलवे, समुद्री क्षेत्र, जनरेटर सेट, पावर जनरेशन में डीजल की आवश्यकता को पूरा करेगा, देश के पर्यावरण की रक्षा भी करेगा और प्रदूऐाण को कम करेगा।

मेथेनॉल आधारित संशोधक हाईब्रिड और इलेक्ट्रिक मोबेलिटी के लिए आदर्श पूरक हो सकते हैं। मेथेनॉल हाइड्रोजन आधारित ईंधन प्रणालियों का भी सेतु है। मेथेनॉल लगभग शून्य एसओएक्स और एनओएक्स उत्सर्जन (लगभग शून्य प्रदूऐाण) होता है। पूरी तरह से प्रदूऐाण कम करने वाला ईंधन है। मेथेनॉल का गैसीय रूप डीएमई को एलपीजी के साथ मिलाया जा सकता है। अमेरिका में 20 परसेंट एलपीजी में यह डीएमई मिलाया जाता है, उससे घरेलू गैस की कॉस्ट भी कम होगी और कोयले से मेथेनॉल और मेथेनॉल से डीएमई एक नया रेवोल्यूशन होगा और छह हजार करोड़ रुपये की बचत देश में होगी, उतना ग्राहकों का फायदा होगा। बसों और ट्रकों में डीजल के लिए भी यह बेहतर पर्याय है। मेथेनॉल को प्राकृतिक गैस, इंडियन हाई ऐश कोल, बायो-मास, एमएसडब्ल्यू, स्ट्रैंडेड और फ्लेर्ड गैसों से बनाया जा सकता है। भारतीय कोयले और सभी अन्य फीडस्टोक से 19 रुपये प्रति लीटर की दर से मेथेनॉल के उत्पादन (उचित प्रौद्योगिकी संयोजन के माध्यम से) को प्राप्त किया जा सकता है, जबकि आज का डीजल का भाव 60 रुपये लीटर है। विश्व कार्बन डाई आक्साइड से नवीनीकरण मेथेनॉल की दिशा में पहल की जा रही है और कार्बन डाई आक्साइड से मेथेनॉल का निरंतर रीसाइकिलिंग मानव के लिए सबसे अधिक स्थायी और पर्यावरण अनुकूल समाधान बन सकता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत में प्रति वऐान चार लाख से अधिक मौतें वायु प्रदूऐाण से होती हैं।

पिछले कुछ वऐाों में ईंधन के रूप में मेथेनॉल और डीएमई का उपयोग काफी बढ़ा है। मेथेनॉल का सालाना 6 से 8 पर्सेंट तक उत्पादन बढ़ा है। विश्व में मेथेनॉल की 120 एमटी की क्षमता संस्थापित की है और यह वऐान 2025 तक लगभग 200 एमटी हो जाएगी। चीन ने लाखों वाहनों को मेथेनॉल पर चलाने के लिए बदला है। वर्तमान में चीन में परिवहन ईंधन के रूप में लगभग 9 प्रतिशत मेथेनॉल का प्रयोग हो रहा है। अकेला चीन विश्व में 65 प्रतिशत मेथेनॉल का उत्पादन करता है। वह मेथेनॉल पैदा करने के लिए कोयले का इस्तेमाल करता है। इजरायल, इटली ने पेट्रोल के साथ मेथेनॉल के 15 पर्सेंट के मिश्रण कार्यक्रम को अपनाया है। यह तेजी से एम 85 और एम 100 की ओर बढ़ रहा है। जापान, कोरिया, मेथेनॉल और डीएमई का काफी उपयोग कर रहे हैं। आस्ट्रेलिया ने जीईएम ईंधन (गैसोलीन, एथेनॉल और मेथेनॉल अपनाया है और लगभग 56 पर्सेंट मेथेनॉल को मिश्रित करते हैं। मेथेनॉल विश्व भर में समुद्री क्षेत्र में ईंधन की पसंद बन गया है। स्वीडन जैसे देश इसके उपयोग में सबसे आगे हैं। 1500 से ज्यादा लोगों को ढोने वाले बड़े यात्री जहाज पहले ही 100 पर्सेंट मेथेनॉल पर चल रहे हैं। 11 अफ्रीकी और कई कैरेबियन देशें ने मेथेनॉल कुकिंग ईधन को अपनाया है। पूरे विश्व में जेनसेट और औद्योगिक बॉयलर डीजल की बजाए मेथेनॉल पर चल रहे हैं।

विश्व द्वारा इसे 'मानवता के लिए स्थायी ईंधन समाधान' के रूप में अपनाया जा रहा है। विश्व भर में शहरी जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है और इस समस्या के लिए मेथेनॉल एक महत्वपूर्ण समाधान है।

भारत की आवश्यकता

मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमने यह पॉलिसी स्वीकार की है, जिसे मैं आपके सामने घोिषत कर रहा हूँ।

भारत 'इंडियन हाई ऐश कोल', स्ट्रैंडेड गैस और बायो-मास का उपयोग करके साल 2025 तक वार्षिक रूप से 20 एम.टी. मिथेनॉल का उत्पादन कर सकता है। भारत के पास 125 बिलियन टन का कोल रिजर्व है। यहां प्रति वऐान 500 मिलियन टन बायो-मास पैदा होता है। स्ट्रैंडेड और फ्लेर्ड गैसों के उत्पादन के लिए यह मात्रा पर्याप्त है। इससे वैकल्पिक फीडस्टॉक और ईंधनों के आधार पर ईंधन सुरक्षा सुनिश्चित होने की बहुत अधिक संभावना है।

नीति आयोग ने वऐान 2030 तक मिथेनॉल द्वारा 10औ कच्चे तेल के आयात की प्रतिस्थापना के लिए एक योजना (रोड मैप) तैयार की है। इसके लिए लगभग 30 एम.टी. मिथेनॉल की आवश्यकता होगी। मिथेनॉल और डी.एम.ई., पेट्रोल और डीजल से काफी हद तक सस्ते हैं। भारत वऐान 2030 तक अपना ईंधन बिल 30औ तक कम करने की कोशिश कर रहा है। 19 रुपये प्रति लीटर की दर से मिथेनॉल का उत्पादन करना, नीति आयोग ने जो रोड मैप दिया है, उसमें यह शामिल है। भारत यह कोयला उपयोग करेगा, जो पर्यावरण के लिए अनुकूल होगा। मिथेनॉल का लगभग 40 प्रतिशत उत्पादन बायो-मास, स्ट्रैंडेड गैस और एम.एस.डब्ल्यू. के फीडस्टॉकों से हो सकता है। मिथेनॉल का उपयोग रेल, सड़क, समुद्र और रक्षा में हो सकता है। मिथेनॉल और डी.एम.ई. का उपयोग एल.पी.जी. ए डी.एम.ई. मिश्रण कार्यक्रम, घरेलू कुकिंग ईंधन - कुक स्टोव्स के रूप में हो सकता है, जो अमेरिका में 20औ है। मिथेनॉल का उपयोग मरीन, जेनसेट्स और परिवहन में फ्यूल सेल एप्लीकेशन में हो सकता है।

हम गंगा नदी में 40 रिवर पोर्ट्स बना रहे हैं और जो 500 माल वाहक नौकाएं बना रहे हैं, उसे हम पूरे को मिथेनॉल में कन्वर्ट कर रहे हैं, जिसके कारण गंगा नदी प्रदूऐाण से मुक्त होगी।

परिवहन क्षेत्र में इसका जो निर्णय हुआ है, उसमें भारत जल्दी-ही पेट्रोल के साथ 15औ मिथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम कार्यान्वित करने जा रहा है। इसका नोटिफिकेशन हमने निकाला है। मौज़ूदा वाहनों के इंजनों को बहुत कम परिवर्तनों के साथ 15औ मिथेनॉल और डाई-मिथाइल-ईथर (डी.एम.ई.) में बदला जा सकता है। इससे पेट्रोल की लागत तुरन्त 10 प्रतिशत तक कम होने की संभावना है। हम जल्दी ही बसों और ट्रकों के लिए एम-100 यानी 100औ मिथेनॉल का भी कार्यक्रम कार्यान्वित करने वाले हैं। मेरे मंत्रालय

ने परिवहन ईंधन के रूप में एम-15 यानी 15औ मिथेनॉल, एम-100 यानी 100औ मिथेनॉल और डी.एम.ई. की प्रारूप अधिसूचना पहले ही तैयार कर ली है और इसे घोिषत कर दी है, यह कहते हुए मुझे खुशी हो रही है। अधिकाधिक रूप से इसे अधिसूचित करने के लिए विधि मंत्रालय से क्लियरेंस की भी आशा हम कर रहे हैं। भारत ने इज़रायल के साथ मिथेनॉल-15 मिश्रण कार्यक्रम पर विस्तृत विचार-विमर्श किया है।...(व्यवधान)

वैश्विक इंजन विनिर्माता, जैसे वॉल्वो, कैटरपिलर, मर्सिडीज मेक-इन-इंडिया के अंतर्गत इन इंजनों का विनिर्माण भारतीय विनिर्माताओं के सहयोग से करने वाले हैं। इससे बड़ी मात्रा में एफ.डी.आई. का भारत में निवेश होगा और इस क्षेत्र के विकास के साथ इंजीनियरिंग क्षेत्र में रोज़गार पैदा होगा।

समुद्री क्षेत्र में भारत में मिथेनॉल पर चलने वाली पहली मालवाहक नौका अगले बारह महीनों में तैयार कर ली जाएगी। हमारे मंत्रालय की ओर से 500 मालवाहक नौकाओं को मिथेनॉल में परिवर्तित करने की योजना (रोड मैप)

तैयार की गयी है। अंतर्देशीय जलमार्ग प्रणाली में भी मिथेनॉल को अपनाने के लिए एक मंत्रिमंडल नोट तैयार किया जा रहा है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इसे सुनिए, कुछ अच्छा काम कर रहे हैं।

…(व्यवधान)

श्री नितिन गडकरी : भारत पत्तन क्षेत्र में 50 जहाजों और सरकारी कंपनियों के स्वामित्व वाले विभिन्न जहाजों को भी मिथेनॉल पर संचालित करने के लिए परिवर्तित किया जाएगा।

विश्व भर में इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गेनाइजेशन द्वारा मिथेनॉल को सख्ती से अपनाया जा रहा है। हमारा मंत्रालय भारत में भी इसी प्रौद्योगिकी को पूरी तरह से लाने के लिए सभी वैश्विक और राऐट्रीय विनिर्माताओं के सम्पर्क में है। इसके परिणामस्वरूप इस क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन होगा। समुद्री और अंतर्देशीय, दोनों में सभी समुद्री विनियमों को इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गेनाइजेशन नियमों और वैश्विक मानकों के अनुरूप मानकीकृत करने के लिए भी किया गया है।

स्वीडन के पास मिथेनॉल पर चलने वाली 17 नौकाएं, बड़ी नाव हैं और 1500 यात्री क्रूज जहाज हैं।

महोदया, मैं सदन को इतना ही बताना चाहता हूं कि इस ऐतिहासिक निर्णय के कारण अगर मिथेनॉल का एल.पी.जी. में 20 प्रतिशत भी मिश्रण किया गया तो गैस का सिलिंडर सस्ता होगा और इससे 6,000 करोड़ रुपये की बचत होगी। इसके साथ-साथ हमारी ट्रकों और बसों में भी यह ईंधन उपयोग होगा।...(व्यवधान) सरकार ने इसके ऊपर निर्णय लिया है। इसका नोटिफिकेशन भी जारी किया गया है।...(व्यवधान) प्रधान मंत्री जी का जो सपना है कि हम इम्पोर्ट को कम करेंगे, इम्पोर्ट सब्स्टीच्यूट, कॉस्ट-इफेक्टिव, पॉल्यूशन-फ्री, और इंडिजीनस, यह सपना इससे निश्चित रूप से पूरा होगा। इस नीति को अंतिम स्वरूप देकर इस निर्णय को हमने घोऐित किया है, यह मैं सदन के सामने रखता हूं।

धन्यवाद।

[Placed in Library, See No. LT-8199/16/17]

-